धर्म | हिन्दू नववर्ष का जोरदार आगाज, निकली शोभायात्रा

बैठकी में माता को जल चढ़ाने उमड़ी भक्तों की भीड़

नवभारत,जबलपुर। हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही गुरुवार को मंदिरों में माता को जल अर्पित और पूजा-पाठ करने वाले श्रृद्धालुओं का तांता लगा रहा। शहर के मुख्य मंदिरों में बड़ी खेरमाई,बूढी खेरमाई मंदिर,छोटी देवन मंदिर, बंगलामुखी मंदिर, त्रिपुर सुंदरी मंदिर के साथ- साथ अनेकों मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली। जहां भक्त लाइन में लगते हुए माता को जल अर्पित करके पूजन- अर्चन कर रहे थे। चैत्र नवरात्रि के पूरे 9 दिनों तक सभी मंदिरों में ऐसा ही नजारा देखने को मिलेगा,जहां भक्त मंदिरों में दर्शन को पहुंचेंगे,साथ ही मंदिरों में विभिन्न आयोजन भी किए जाएंगे।

आज होगी मां ब्रह्मचारिणी की अराधना

आज यानी बुधवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा उपासना अराधना की जायेगी । विधि-विधान से मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की जायेगी। मां ब्रह्मचारिणी ध्यान, ज्ञान और वैराग्य की अधिष्ठात्री देवी है। साधक उनकी अराधना कर ज्ञान,ध्यान और वैराग्य प्राप्त करते है। मां ब्रह्मचारिणी को हवन की सामग्री के साथ धूप, कपूर, लौंग, सूखे मेवे, मिश्री मिष्ठान, देसी घी के साथ आहुति देकर पूजन किया जाता है।

बगलामुखी मठ में प्रज्वलित की गई हजारों ज्योत

नवरात्र की विशेष साधना के लिए विख्यात सिविक सेंटर स्थित बगलामुखी मठ भी ईश्वरीय आलोक के चैतन्य प्रकाश से रोशन हो गया। ब्रम्हचारी चैतन्यानंद महाराज ने बताया कि मंदिर के घट स्थापना परिसर में हजारों की संख्या में अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई है। सिर्फ शहर बल्कि दूर-दराज के श्रद्धालुओं सहित विदेशों के शक्ति-उपासकों द्वारा यहां घट प्रज्जवलित कराए गए हैं। ब्रम्हचारी ने बताया कि इन कलशों का दर्शन मात्र मां आदिशक्ति से निर्झरित शक्ति को अंगीकार कराती है। मंदिर में आज सुबह से ही मां के दर्शन करने वालों का तांता लगा रहा।

तेवर में उमड़ी आस्था की भीड़

जबलपुर के तेवर स्थित राज्यराजेश्वरी मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर श्रद्धालुओं का सुबह से ही तांता लगा हुआ था। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ दर्शन करने उमड़ पड़ी थी मंदिर परिसर में ढोल नगाड़ों और देवी भजनों की गूँज से वातावरण भक्तिमय हो गया था। बता दे कि मां त्रिपुर सुंदरी का यह मंदिर लगभग सातवीं शताब्दी में कल्चुरी कालीन राजा कर्णदेव द्वारा बनवाया गया था यहां मां त्रिपुर सुंदरी के तीन स्वरूप महाकाली महालक्ष्मी और मां सरस्वती की विशाल मूर्तियां स्थापित है।

विक्रमोत्सव में सूर्य उपासना, नववर्ष का स्वागत

वर्ष प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा और भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ पर गौरीघाट में भव्य सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया गया। माँ नर्मदा तट पर संतजनों की उपस्थिति में ब्रह्म ध्वज पूजन के साथ सूर्य उपासना की गई। इस अवसर पर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज ने विक्रम संवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे सृष्टि के प्रति कृतज्ञता और आनंद का दिवस बताया। कार्यक्रम के बाद 'सम्राट विक्रमादित्य' नाटक का मंचन भी हुआ। कार्यक्रम में विधायक अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, डॉ. जीतेन्द्र जामदार, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम के जयघोष से निकली शोभायात्रा

चैत्र नवरात्र के अवसर पर हिन्दू नववर्ष का स्वागत बड़े ही हर्षोल्लास के साथ नारायणी सेना जाबालिपुरम के द्वारा किया गया। भव्य शोभायात्रा का जय श्रीराम के जयघोष और शानदार आतिशबाजी के साथ समापन हुआ। शोभायात्रा संतों की अगुवाई में निकाली गई। नारायणी सेना जाबालिपुरम के प्रमुख सीताराम सेन ने बताया कि हर वर्ष चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर हिन्दू नववर्ष का स्वागत करने भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

एक नजर में

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

नवभारत,जबलपुर । गुरुवार 19 मार्च को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 193वीं बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी उपस्थितों का बैठक में हार्दिक स्वागत करते हुए बताया कि माननीय मंडल रेल प्रबंधक के कुशल नेतृत्व में जबलपुर मंडल पर रेल परिचालन के साथ-साथ भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन उत्तरोत्तर प्रगति पर है। उन्होंने मंडल पर राजभाषा विभाग के तिमाही के दौरान आयोजित संगोष्ठियों, महान साहित्यकारों की जयंतियों, तथा कार्यशालाओं की जानकारी दी तथा बताया कि मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा 2025 के दौरान 10 अधिकारियों व 50 कर्मचारियों के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं मैं सफल प्रतिभागियों को मंडल रेल प्रबंधक के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि सभी कर्मचारियों द्वारा हिंदी में अनिवार्य रूप से मंगल फोण्ट का ही उपयोग करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगे यह स्पष्ट किया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार स्वयं तथा सहायक द्वारा की बोर्ड पर सीधे टंकण को भी हिंदी डिक्टेशन ही माना जाएगा। उन्होंने उपस्थित शाखा अधिकारियों को यह निर्देश दिया की फाइलों पर जो टिप्पणियां हिंदी में आती हैं उन पर अनिवार्य रूप से अपनी टिप्पणी अथवा आदेश हिंदी में ही दिए जाएं।

पतझड़ के पत्तों से बनेगी खाद

नवभारत, जबलपुर। नगर पालिक निगम जबलपुर द्वारा शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26' के तहत एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का मुख्य नारा 'पतझड़ के पत्ते कचरा नहीं हैं' रखा गया है, जिसके माध्यम से प्रकृति के चक्र को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है नगर निगम का लक्ष्य है कि पतझड़ के दौरान गिरने वाले सूखे पत्तों को जलाने या कचरे में फेंकने के बजाय, उनसे उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार की जाए। यह खाद पुनः नागरिकों को उनके पौधों के पोषण के लिए लौटाई जाएगी। नगर पालिक निगम जबलपुर सभी शहरवासियों से अपील करता है कि वे सूखे पत्तों को न जलाएं, क्योंकि इससे वायु प्रदूषण फैलता है। इसके स्थान पर पत्तों को संग्रहित कर निगम की टीम को सौंपें। पत्तों के संग्रहण की जानकारी या सहायता के लिए नागरिक टोल-फ्री नंबर 0761-2637503 पर संपर्क कर सकते हैं या निम्न कंपोस्ट प्लांट में दे सकते हैं। जानकारी के अनुसार गौरीघाट,बलदेवबाग, गढ़ा, गोरखपुर और अधारताल में कम्पोस्ट प्लांट बनाया गया है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का पंजीयन शिविर आज

नवभारत,जबलपुर। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय जबलपुर और कार्यालय कल्याण आयुक्त जबलपुर के सहयोग से नागरिक अधिकार मंच द्वारा बादशाह हलवाई मंदिर पोली पाथर के समीप असंगठित कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए आज 20 मार्च 2026 को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले मजदूरों का प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पंजीयन किया जावेगा, जिसके अंतर्गत मजदूरों को 60 साल की आयु पूर्ण होने उपरांत 3000 रुपये मासिक पेंशन दिया जाएगा। इस शिविर में मजदूरों का स्वस्थ परिक्षण भी किया जाएगा । सहायक श्रमायुक्त पवन मंडोत, कल्याण आयुक्त नवीन वैद्य, उपकल्याण आयुक्त अंकुर और धर्मवीर मौर्या (कल्याण प्रशासक) और शिव कुमार (सचिव, नागरिक अधिकार मंच) ने मजदूरों से कार्य स्थल पर पहुंचने अपील की है।

महाकौशल प्रांत में शाखाओं और गतिविधियों में हुई वृद्धि

जबलपुर के सुहागी बस्ती में आयोजित सम्मेलन में शामिल हुए थे 4500 लोग

नवभारत,जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक हरियाणा के समालखा में 13 से 15 मार्च तक सम्पन्न हुई। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। देशभर से 1493 अपेक्षित कार्यकर्ताओं में से 1438 की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी पत्रकार वार्ता में प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे एवं प्रांत प्रचार प्रमुख विनोद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में संगठन विस्तार, समाज की सज्जन शक्ति की सक्रियता और सामाजिक समरसता के संकल्प को प्रमुखता दी गई। पिछले वर्ष संघ कार्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें देशभर में शाखाओं की संख्या बढ़कर 88,949 हो गई है। महाकौशल प्रांत में भी 533 शाखाओं की वृद्धि के साथ कुल शाखाएं 3,078 तक पहुंच गई हैं। संघ के शताब्दी वर्ष (2025-26) के अंतर्गत देशभर में 62,555 विजयादशमी उत्सव आयोजित हुए, जिनमें लाखों स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। महाकौशल प्रांत में 3,138 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें 1.77 लाख से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए। गृह संपर्क अभियान के तहत देश के 37 प्रांतों में 10 करोड़ से अधिक घरों तक संपर्क किया गया, जबकि महाकौशल में 43 लाख से अधिक घरों तक पहुंच बनाई गई। इसी प्रकार हिन्दू सम्मेलनों में देशभर में 3.49 करोड़ लोगों की सहभागिता रही। जबलपुर के सुहागी बस्ती में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की उपस्थिति में आयोजित सम्मेलन में 4500 लोग शामिल हुए। इसके अलावा गुरु तेगबहादुर जी की 350वीं शहादत वर्ष के अवसर पर देशभर में 2134 कार्यक्रम हुए। जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक लोग शामिल हुए, जहां सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर का उद्बोधन हुआ। इसके साथ ही युवा सहभागिता भी बढ़ी है, जिसमें महाकौशल प्रांत के 34 जिलों में आयोजित युवा सम्मेलनों में 50,100 युवाओं ने भाग लिया। बैठक में बताया कि आगामी वर्ष संत रविदास जी महाराज के 650वें प्राकट्य वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर उनके समरसता, समानता और सामाजिक परिवर्तन के विचारों को समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस दौरान विभाग प्रचार प्रमुख विनय सोलंकी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घरों में सजी गुड़ी, उल्लास के साथ मनाया पर्व

नवभारत, जबलपुर। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष ये पर्व गुरुवार यानि 19 मार्च को उल्लास के साथ मनाया गया। मालूम हो कि गुड़ी पड़वा महाराष्ट्रियन लोगों का प्रमुख त्योहार है और इस दिन घरों में गुड़ी एक विशेष ध्वज फहराने का विशेष महत्व होता है। इस अवसर पर लोगों ने पारंपरिक परिधान धारण किए और घरों में सुंदर रंगोली बनाने के साथ साथ विधि-विधान से पूजन पाठ भी किए। गुड़ी पड़वा के दिन घर के बाहर एक डंडे पर कपड़ा लपेटकर उसके ऊपर एक कलश को उल्टा करके बांधते हैं। इसके साथ नीम और आम की पत्तियां तथा बताशों की माला भी सजाई जाती है।

मान्यता अनुसार जीवन में आने वाले दुख कड़वे नीम की भांति होते हैं, जो हमें भीतर से मजबूत बनाते हैं, जबकि आम और बताशों की मिठास जीवन के सुखद क्षणों का प्रतीक है। इस पर्व का महत्व प्रकाश और प्रेम हैं। यह पर्व हमें जीवन को एक बड़े दृष्टिकोण से देखने और उसकी पूर्णता को स्वीकार करने की प्रेरणा देता है।

श्रीमद् भागवत कथा आज से

नवभारत, जबलपुर। भागवत जन कल्याण सेवा समिति, रांझी जबलपुर द्वारा भक्तिमय वातावरण में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन आज यानी शुक्रवार से 26 मार्च तक किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 20 मार्च को दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा तुलसीनगर से प्रारंभ होकर कथा प्रांगण तक पहुंचेगी, जिसमें श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। कथा व्यास के रूप में श्रीधाम वृंदावन से पधारे प्रख्यात वक्ता डॉ. संजयकृष्ण सलिल जी श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत महापुराण की दिव्य कथाओं का रसपान कराएंगे। कथा का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के सामने स्थित मैदान, रांझी,

जबलपुर (म.प्र.) में किया जाएगा। इस पावन आयोजन के मुख्य यजमान शांति मिश्रा हैं। आयोजक समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करें, पुण्य लाभ अर्जित करें एवं धर्ममय वातावरण का लाभ उठाएं।

लगातार हो रहे विकास कार्यों से निखर रही संस्कारधानी

विकास और सौंदर्य के संगम से बदल रहा जबलपुर का स्वरूप

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी अब एक नए स्वरूप में बदल रही है। नगर निगम के विजन के साथ शहर के सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों में अभूतपूर्व तेजी आई है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार सड़कों के चौड़ीकरण से लेकर चौराहों के कायाकल्प तक, जबलपुर अब आधुनिकता और परंपरा का एक अनूठा संगम नजर आ रहा है।

प्रमुख चौराहों पर रंग-बिरंगी फुहारें

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार

ने बताया कि वायु गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाने शहर के व्यस्ततम इलाकों जैसे छोटी लाइन, तीन पत्ती और सिविल लाइन चौराहे पर लगाए गए अत्याधुनिक और रंग-बिरंगे फाउंटेन लगाये गए हैं जो आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। शाम ढलते ही ये चौराहे न केवल रोशनी से जगमगा रहे हैं, बल्कि राहगीरों को एक सुकून भरा अनुभव भी दे रहे हैं। नगर निगम का लक्ष्य इन प्रमुख स्थलों को 'सेल्फी पॉइंट' और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है।

डुमना मार्ग बनेगा शहर का 'शो-केस'

डुमना एयरपोर्ट से शहर की ओर आने वाले मार्ग को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। बाहर से आने वाले मेहमानों और पर्यटकों को एयरपोर्ट से निकलते ही संस्कारधानी की सांस्कृतिक झलक और हरियाली दिखाई देगी। मार्ग के दोनों ओर बेहतर लाइटिंग, लैंडस्केपिंग और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, और बड़े पैमाने पर सौन्दर्यीकरण के क्षेत्र में कार्य कराये जा रहे हैं।

स्वच्छता और जन-सुविधाओं पर शहर में चौतरफा कार्य

शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष पर लाने के लिए नगर निगम और संबंधित विभाग मुस्तैदी से जुटे हैं। विकास का यह पहिया केवल सुंदरता तक सीमित नहीं है बल्कि पार्कों का जीर्णोद्धार और नए ग्रीन बेल्ट का निर्माण, प्रमुख मार्गों पर स्मार्ट लाइटिंग और एलईडी लाईट का विस्तार संबंधी कार्य भी कराये जा रहे हैं। इन कार्यो में लोककर्म, उद्यान, प्रकाश, स्वास्थ्य, और अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी भी दिन-रात लगे हुए हैं।

रमजान | 100 से अधिक मस्जिदों और नमाजगाहों में अदा होगी जुमा की नमाज

चांद नजर नहीं आया, ईद-उल-फित्र कल, रमजान का आखिरी जुमा आज

नवभारत,जबलपुर। मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी ने अपने बयान में जानकारी दी है कि 29 रमज़ान, मुताबिक 19 मार्च को ईद-उल-फित्र का चाँद नजर नहीं आया। लिहाजा रमज़ान मुबारक के पूरे 30 रोज़े मुकम्मल किए जाएंगे और ईद-उल-फित्र कल 21 मार्च, शनिवार को मनाई जाएगी। ईद-उल-फित्र के मौके पर शहर की सभी ईदगाहो व काफी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की जाएगी। ईदगाह कला रानीताल में ईद के मौके पर मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश पहले मुस्लिम धर्मावलंबियों को संबोधित करेंगे जिसके बाद ठीक सुबह 10:30 बजे नायब मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश सूफी जियाउल हक कादरी बुरहानी ईद की नमाज अदा कराएंगे। हजरत मौलाना इनामुल हक कादरी ने नमाज़ियों से वक्त से पहले पहुँचने की अपील की है। रमजान शरीफ के आखिरी जुमा (अलविदा जुमा) के अवसर पर शहर एवं उपनगर की 100 से अधिक मस्जिदों और नमाजगाहों में आज दोपहर करीब डेढ़ बजे जुमा की नमाज अदा की जाएगी। इस मौके पर हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में इबादत के लिए जुटेंगे। मस्जिदों में रमजान शरीफ का खुतबा पढ़ा जाएगा तथा अलविदा जुमे की खास दुआएं की जाएंगी।

विभिन्न ईदगाह में भी होगी नमाज अदा

ईद पर रानीताल ईदगाह सहित शहर की विभिन्न ईदगाह में नमाज अदा की जाएगी। जिसमें मोमिन ईदगाह गोहलपुर में सुबह 8:30 बजे,सदर ईदगाह में सुबह 9 बजे, इसके बाद सदर जामा मस्जिद में सुबह 9:30 बजे, गढ़ा ईदगाह में हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ सुबह 10 बजे ईदुल फ़ितर की नमाज़ शिया जामा मस्जिद ज़ाकिर अली फूटाताल में सुबह 10 बजे नमाज अदा होगी।

अफ़्तार-ए-आम का हुआ आयोजन

इसी क्रम में रमजान मुबारक के 29वें रोजे, जुमेरात को मदनमहल पहाड़ी स्थित पीराने पीर की दरगाह में

मुतवल्ली सैयद कादिर अली कादरी की सरपरस्ती तथा सज्जादानशीन सूफी मुबारक कादरी की कयादत में विशाल अफ़्तार-ए-आम का आयोजन किया गया। इस आयोजन अब्बू बाबा कादरी, असगर कादरी, याक़ूब अली शाह, वरुण साहनी, विक्की बाबा, नीलू बाबा, बालिम भाई, कमलेश बाबा, बिरजेस बाबा, बाबू अन्ना, अन्नू कोस्टा तथा दिलीप भाटिया सहित सर्वधर्म के सैकड़ों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सज्जादानशीन बासित कादरी ने रमजान की विदाई पर यह कलाम पढ़ा जिसे सुनकर वहां मौजूद लोग भावुक हो उठे। अंत में खलीफा इनायत कादरी ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। वहीं, मदरसा अहले सुन्नत गढ़ा की ओर से सूपाताल स्थित मस्जिद गुलशन-ए-तैयबा में भी 29वें रोजे के अवसर पर भव्य अफ़्तार-ए-आम का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों रोज़ेदारों ने सामूहिक रूप से रोजा खोलकर मगरिब की नमाज अदा की और देश की तरक्की व खुशहाली के लिए दुआ मांगी। अफ़्तार कार्यक्रम में हाजी इशाक, हाफिज नूरुल इस्लाम, हाफिज असद कर्बलाई सहित अन्य आयोजनकर्ताओं ने शामिल रोज़ेदारों का शुक्रिया अदा किया।